डेनिस ग्नेजदिलोव ने शॉटपुट में दो बार तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 29 सितंबर. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियनऑयल नई दिल्ली पैरा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के पुरुषों के एफ40 शॉटपुट स्पर्धा में सोमवार को एक नया इतिहास लिखा गया. डेनिस ग्नेजदिलोव ने अपने शानदार प्रदर्शन से विश्व रिकॉर्ड को एक नहीं, बल्कि दो बार तोड़ा और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया.

38 वर्षीय ग्नेजदिलोव ने अपने पहले प्रयास में 10.66 मीटर का थ्रो किया, जो उन्हें स्वर्ण दिलाने के लिए पर्याप्त था, लेकिन

पैरा वर्ल्ड एथलेटिक्स | नई दिल्ली पैरा विश्व एथलेटिक्स में स्वर्ण जीतकर रचा नया इतिहास

- ग्नेजदिलोव ने 11.92 मीटर थ्रो कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया
- तीसरे प्रयास में 11.85 मीटर थ्रो से पुराना रिकॉर्ड पहली बार टूटा

उन्होंने अपनी गति जारी रखी. उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 11.85 मीटर का थ्रो फेंककर पैरालंपिक स्वर्ण विजेता मिगुएल मोंटेइरो के पुराने विश्व रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया. इसके बाद, उन्होंने अपने अंतिम और छठे थ्रो में इसे और ऊँचा करते हुए 11.92 मीटर का नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया. इस जीत के साथ, टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण विजेता ग्नेजदिलोव ने अपना तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब पक्का किया.

इस प्रतियोगिता में मिगुएल मोंटेइरो (पुर्तगाल) और गर्राह तनायाश (इराक) जैसे पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक मौजूद थे, जिससे फाइनल मुकाबले का स्तर काफी ऊँचा रहा. पुर्तगाली स्टार ने पहले राउंड के बाद 10.92 मीटर के साथ बढ़त बनाई थी.

अन्य चैंपियनशिप रिकॉर्ड टूटे

सोमवार सुबह दो अन्य चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी टूटे. पोलैंड के बार्टोज गोरजाक ने पुरुषों के शॉटपुट एफ53 फाइनल में 8.67 मीटर थ्रो के साथ मीट रिकॉर्ड बनाया. वहीं, महिलाओं के डिस्कस थ्रो एफ44 फाइनल में मेक्सिको की ओसिरिस एनेथ मचाडो ने 44.36 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक और नया चैंपियनशिप रिकॉर्ड जीता. प्रतियोगिता के तीसरे दिन के बाद, पोलैंड चार स्वर्ण और चार कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुँच गया है, जबकि भारत एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ 13वें स्थान पर है.

क्रिस वोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन, 29 सितंबर.इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने पिछले हफ्ते एशेज टीम में जगह नहीं मिलने के बाद सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की.

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर वोक्स ने इंग्लैंड के क्रिकेटर के रूप में अपने 15 साल के करियर में 62 टेस्ट मैच खेले जिसमें उन्होंने 2034 रन बनाए और 192 विकेट लिए.

वोक्स (36 वर्ष) ने 122 एकदिवसीय और 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले जिनमें उन्होंने क्रमश: 1524 और 147 रन बनाए. उन्होंने सफेद गेंद के प्रारूप में कुल 204 विकेट चटकाए.

वोक्स ने कहा, ''वह क्षण आ गया है और मैंने फैसला किया है कि मेरे लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का सही समय आ गया है.'' वोक्स ने अपना आखिरी टेस्ट मैच भारत के खिलाफ द ओवल में खेला था जब वह पांचवें टेस्ट में मेहमान टीम को श्रृंखला बराबर करने से रोकने की नाकाम कोशिश करते हुए अपनी बांह को पट्टी से बांधकर बल्लेबाजी करने आए थे.

उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड के लिए खेलना एक ऐसी चीज थी जिसका मैं बचपन से ही सपना देखता था और मैं उन सपनों को जीने के लिए बेहद भाग्यशाली महसूस करता हूं.''

5 वर्षों तक मैदान साझा करना, मैं बहुत गर्व के साथ याद करूंगा

वोक्स ने कहा, ''इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना, 'थ्री लायंस' के ठप्पे वाली जर्सी पहनना और पिछले 15 वर्षों में टीम के साथियों के साथ मैदान साझा करना, ऐसी चीजें हैं जिन्हें मैं बहुत गर्व के साथ याद करूंगा.'' वोक्स इंग्लैंड की दो आईसीसी विश्व कप जीत का हिस्सा थे. उनकी मौजूदगी वाली इंग्लैंड की टीम ने 2019 का घरेलू एकदिवसीय विश्व कप और 2022 में ऑस्ट्रेलिया में हुआ टी20 विश्व कप जीता. उन्होंने कहा, ''2011 में ऑस्ट्रेलिया में पदार्पण करना कल की बात लगती है.

ओजस्वी ठाकुर की अगुआई में महिला एयर राइफल में स्वर्ण जीत

- भारत ने जूनियर निशानेबाजी विश्व कप में पदकों का क्लीन स्वीप किया
- ओजस्वी ठाकुर ने 252.7 अंकों के साथ 10 मीटर महिला एयर राइफल स्वर्ण जीता
- हृदया श्री और शंभावी क्षीरसागर ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक हासिल किया

नयी दिल्ली, 29 सितंबर. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में सोमवार को शुरू हुए आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए पदकों का क्लीन स्वीप किया. भारत ने 10 मीटर महिला एयर राइफल स्पर्धा में तीनों पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया, जबकि पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में भी स्वर्ण पदक भारत के नाम रहा.

ओजस्वी ठाकुर की शानदार अगुआई में भारत ने 10 मीटर महिला एयर राइफल में पूरे पोडियम पर कब्जा जमाया. ओजस्वी ने फाइनल में 252.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता. इस दौरान उन्होंने अपने आठवें और सोलहवें शॉट में 10.9 का परफेक्ट स्कोर हासिल किया.

भारतीय तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन में भी शीर्ष तीन स्थान हासिल किए थे. फाइनल में हृदया श्री कोंदुर ने 250.2 अंक के साथ रजत पदक पर निशाना साधा, जबकि क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रही शंभावी क्षीरसागर ने 229.4 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया.

25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल की पुरुष स्पर्धा में कांटे की टक्कर देखने को मिली. भारत के मुकेश नेलावल्ली को शूट-ऑफ में व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट एलेक्सांद्र कोवालेव से हार का सामना करना पड़ा.

पुरुषों की स्पर्धा में भी स्वर्णिम सफलता

पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भी भारत का दबदबा कायम रहा. भारत के हिमांशु ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद फाइनल में भी अपनी फॉर्म बरकरार रखी और 250.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता. व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट दमित्री पिमेनोव को रजत, जबकि भारत के अभिनव साव को 228.4 अंक के साथ कांस्य पदक मिला.

ट्रैप जूनियर स्पर्धा के पहले दिन भी भारतीय निशानेबाजों ने अच्छी शुरुआत की है. महिला वर्ग में भारत की आद्या कत्याल 75 में से 70 निशाने लगाकर व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट सेनिया समोफालोवा और इटली की सोफिया गोरी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बनी हुई हैं. पुरुष वर्ग में भी भारतीय निशानेबाज टोनी गुडेल्ज और डेनियल फर्नांडिज डि विसेंटे जैसे शीर्ष निशानेबाजों से सिर्फ एक अंक पीछे हैं.

सहजा यमलापल्ली की अगुवाई में भारत की बीजेके कप टीम घोषित

- बेंगलुरु में प्ले ऑफ के लिए पांच सदस्यीय टीम तैयार

नयी दिल्ली, 29 सितंबर.अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने 14-16 नवंबर तक बेंगलुरु में होने वाले बिली जीन किंग (बीजेके) कप प्ले ऑफ के लिए सोमवार को सहजा यमलापल्ली की अगुवाई में पांच सदस्यीय टीम की घोषणा की.राष्ट्रीय चयन पैनल ने रैंकिंग के अनुसार सहजा (347), श्रीवल्ली भामिदीपति (374), अंकिता रैना (447), रिया भाटिया (499) और युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बारे (131) को चुना.

वैदेही चौधरी रिजर्व खिलाड़ी होंगी.जील देसाई और श्रुति अहलावत को प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है.भारत को स्लोवेनिया और नीदरलैंड के साथ ग्रुप जी में रखा गया है. इस ग्रुप की विजेता टीम को 2026 क्वालीफायर में जगह मिलेगी जबकि अन्य दो टीमें अगले साल ग्रुप एक में प्रतिस्पर्धा करेंगी.विशाल उप्पल टीम के कप्तान होंगे जबकि राधिका कानिटकर कोच होंगी.

हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 को हराया

- कनिका सिवाच के गोल से कैनबरा में भारत ने दर्ज की जीत
- 32वें मिनट में कनिका सिवाच ने विजयी गोल दागा
- पहले दो मुकाबलों में मिली हार के बाद भारत ने की वापसी

कैनबरा, 29 सितंबर (वार्ता) भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने सोमवार को कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में अपने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम पर 1-0 से जीत दर्ज की. कनिका सिवाच (32वें मिनट) ने भारत के लिए विजयी गोल दागा.

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय महिला जूनियर टीम ने शानदार प्रदर्शन किया. पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर के बाद, भारत ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में कनिका सिवाच के महत्वपूर्ण मैदानी गोल की बदौलत गतिरोध तोड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई.

भारत इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के खिलाफ लगातार दो मैच हार चुका था, लेकिन इस जीत के साथ, मेहमान टीम इस नई लय को बरकरार रखते हुए इस दौरे के बाकी मैचों में वापसी करने की उम्मीद करेगी.

भारत अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के समापन के लिए 30 सितम्बर और दो अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख हॉकी वन लीग में खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगा.

एक नजर में

महिला 10 मीटर एयर राइफल में भारत ने क्लीन स्वीप किया

चेन्नई. भारत ने तुगलकाबाद स्थित डॉ. कर्णी सिंह रेंज में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की झड़ी लगा दी. महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारतीय निशानेबाजों ने पोडियम पर क्लीन स्वीप कर देश का गौरव बढ़ाया. इस ऐतिहासिक स्पर्धा में ओजस्वी ठाकुर ने 252.7 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता. उनके साथ ही हृद्या श्री कोंदुर ने 250.2 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि शांभवी श्रवण क्षीरसागर ने 229.4 अंकों के साथ कांस्य पदक जीतकर पोडियम के तीनों स्थानों पर तिरंगा फहराया. वहीं, पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में भी भारत ने दो पदक अपने नाम किए. मुकेश नेलावल्ली ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता, जबकि उनके हमवतन सूरज शर्मा ने कांस्य पदक पर निशाना साधा. इस स्पर्धा में एक व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट अलेक्जेंडर कोवालेव ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, वहीं भारत के एक अन्य प्रतियोगी समीर चौथे स्थान पर रहे. इन जीतों के साथ ही जूनियर वर्ल्ड कप में भारत की पदक तालिका मजबूत हुई है. चैंपियनशिप में भारत के कुल पदकों की संख्या अब 18 हो गई है, जिसमें पाँच स्वर्ण, आठ रजत और पाँच कांस्य पदक शामिल हैं. भारतीय जूनियर निशानेबाजों का यह प्रदर्शन देश में शूटिंग के बढ़ते स्तर का प्रमाण है

प्रज्ञानानंद ने वाचिएर-लाग्रेव से ड्रॉ खेला

साओ पाउलो, ब्राजील.भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सोमवार को ब्राजील के साओ पाउलो में आयोजित ग्रैंड शतरंज टूर फ़ाइनल्स के पहले सेमीफ़ाइनल गेम में एक बड़ा मौका चूकने के बावजूद फ्रांस के जीएम मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेलने में सफलता प्राप्त की. यह ड्रॉ प्रज्ञानानंद के लिए राहत भरा रहा, क्योंकि उन्होंने घड़ी में सिर्फ़ एक सेकंड शेष रहते हुए एक कमज़ोर चाल चली, जिससे वह खेल पर अपनी पकड़ खो बैठे. हालाँकि, वह भाग्यशाली रहे कि वाचिएर-लाग्रेव इस महत्वपूर्ण क्षण का फ़ायदा उठाने में विफल रहे. मैच के बाद, प्रज्ञानानंद ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि मैं यहाँ क्यों घबरा गया, घबराने का कोई कारण ही नहीं था.

कैथरीन डेब्रुनर ने रचा इतिहास, जीता स्वर्ण

नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

- स्टार एथलीट ने कैथरीन डेब्रुनर ने 5000 मीटर टी54 12:18.29 मिनट में रेस पूरी की
- चीन की तियान याजुआन और पेट्रीसिया ईचस को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, 29 सितंबर. स्विट्जरलैंड की दिग्गज पैरा एथलीट कैथरीन डेब्रुनर ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी उत्कृष्टता साबित की. उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर अपने शानदार करियर में एक और मील का पत्थर जोड़ा. पैरालंपिक और विश्व चैंपियनशिप में कई पदक जीत चुकीं डेब्रुनर ने 12:18.29 मिनट के समय के साथ फिनिश लाइन पार की. उन्होंने चीन की तियान याजुआन और अपनी हमवतन पेट्रीसिया ईचस को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया.

भारत में पहला अनुभव

भारत में अपने पहले अनुभव पर डेब्रुनर ने खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा, फ्यह मेरा भारत में पहला मौका है और मुझे कहना होगा कि यह बिल्कुल अलग संस्कृति और देश है, जिसकी मुझे आदत नहीं है. यह वाकई बहुत अलग अनुभव रहा. उन्होंने स्टेडियम में बिछाए गए नए मोंडो ट्रैक को अच्छा ट्रैक और स्टेडियम को शानदार बताया. महज आठ साल की उम्र में खेलों की दुनिया में कदम रखने वाली डेब्रुनर आज पैरा स्पोर्ट्स की वैश्विक प्रतीक हैं.

बोपन्ना और युजुकी ने टोक्यो में डबल्स फाइनल में प्रवेश किया

तोक्यो, 29 सितंबर.भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और जापान के उनके जोड़ीदार ताकेरू युजुकी ने सोमवार को सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तोक्यो में खेले जा रहे युगल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग की अमेरिकी जोड़ी को हराकर खिताबी मुकाबले में टिकट पक्का कर लिया.

बोपन्ना और युजुकी ने यह बेहद रोमांचक मैच 4-6, 6-3, 18-16 से जीता, जो उनकी जुझारू क्षमता और धैर्य का बेहतरीन प्रदर्शन था.

भारतीय-जापानी जोड़ी ने पहला सेट 4-6 से गंवा दिया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की. 6-3 के स्कोर के साथ सेट जीतकर उन्होंने मुकाबले को निर्णायक सुपर टाई-ब्रेक तक पहुँचाया. सुपर टाई-ब्रेक अत्यंत तनावपूर्ण और मैराथन साबित हुआ.

महिला विश्व कप | एशियाई टीमों के ट्रॉफी जीतने की संभावना पर कप्तान का विश्वास

एशियाई देश खत्म करें खिताबी सूखा : अटापट्टू

- श्रीलंका का लक्ष्य आठ साल बाद विश्व कप में अंतिम-चार पहुँचना है
- घरेलू मैदान पर 5 में से 7 ग्रुप मैच खेलकर फायदा मिलेगा

गुवाहाटी, 29 सितंबर.श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू ने इस बार महिला विश्व कप का खिताबी सूखा खत्म करने की अपनी गहरी उम्मीदें व्यक्त की हैं. उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि कोई एशियाई देश इस बार प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर कब्जा करेगा.

1973 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक केवल तीन देशों—ऑस्ट्रेलिया (7 बार), इंग्लैंड (4 बार) और न्यूजीलैंड (1 बार)—ने ही यह खिताब जीता है, जिससे पश्चिमी देशों का दबदबा स्पष्ट है. इस बीच, भारत दो बार खिताब के करीब पहुँचकर उपविजेता रहा, जिससे महाद्वीप की निराशा और बढ़ गई.

मंगलवार को भारत के खिलाफ अपने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच की पूर्व संध्या पर अटापट्टू ने इस सामूहिक महत्वाकांक्षा को सामने रखा. उन्होंने कहा, एक एशियाई के रूप में, मैं चाहूंगी कि श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान या बांग्लादेश जैसी कोई एशियाई टीम यह ट्रॉफी जीते.

घरेलू सरजमीं पर सह-मेजबानी करना हमारे लिए एक सौभाग्य है, और मुझे उम्मीद है कि यह भौगोलिक लाभ इस साल किसी एशियाई टीम को ट्रॉफी उठाने में मदद करेगा. यह बयान महाद्वीप के महिला क्रिकेट के विकास के लिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की इच्छा को दर्शाता है.

श्रीलंका की यथार्थवादी रणनीति और घरेलू लाभ

आठ साल बाद विश्व कप में वापसी कर रही श्रीलंका का मुख्य लक्ष्य सेमीफाइनल (अंतिम-चार) में पहुँचना है. यह लक्ष्य टीम की वर्तमान रैंकिंग और हाल के प्रदर्शन को देखते हुए यथार्थवादी है. सह-मेजबान होने के नाते, श्रीलंका को ग्रुप चरण के 7 में से 5 मैच घरेलू मैदान पर खेलने का बड़ा लाभ मिलेगा, जो टीम को परिस्थितियों के साथ सहज होने और निर्णायक नॉकआउट चरणों से पहले लय हासिल करने का मौका देगा. अटापट्टू ने इस बात पर जोर दिया कि उपमहाद्वीप में खेलने से उनकी टीम को फ़ायदा मिलेगा, क्योंकि भारत और श्रीलंका में गेंदबाजी और बल्लेबाजी की परिस्थितियाँ काफी हद तक समान हैं. उन्होंने स्पष्ट किया, अंतिम-चार में पहुँचना ही हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी.

प्रबल दावेदार भारत के खिलाफ रणनीति

कप्तान ने स्वीकार किया कि भारत को उसके घरेलू मैदान पर हराना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि भारतीय टीम प्रबल दावेदार है और परिस्थितियों को बहुत अच्छी तरह से जानती है. भारतीय खिलाड़ियों को यहाँ की पिचों की सूक्ष्म समझ है और उन्हें घरेलू दर्शकों का ज़बरदस्त समर्थन मिलेगा. इसके बावजूद, अटापट्टू ने अपनी टीम की तैयारियों पर विश्वास जताया. उन्होंने कहा, हम पिछले 12 महीनों में वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं. हम बस बहुत अधिक दबाव लिए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं. दबाव पूरी तरह से घरेलू टीम पर रहेगा.